8 दोहा अष्टक

दोहे हिन्दी भाषा साहित्य की अनमोल निधि है। दोहे व्यावहारिक दृष्टांतों के माध्यम से सरल, सहज रूप में जीवन, लोक व्यवहार, गुण, स्वभाव, नीति-रीति आदि से परिचित कराते हैं।

प्रस्तुत इकाई में कबीर, तुलसीदास और रहीम के चुने गए एसे ही दोहे संकलित हैं।

- **कबीर** : ये 15वीं शताब्दी के कवि हैं, ये बड़े मन-मौजी संत थे। इन्होंने हिन्दू और मुसलमानों को उनकी गलतियों के लिए फटकारा है और दोनों को हिल-मिलकर रहने का उपदेश दिया है।
- **तुलसीदास** : ये 16वीं शताब्दी के प्रसिद्ध रामभक्त कवि हैं। इन्होंने 'रामचरित मानस' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ लिखा है।
- **रहीम** : इनका पूरा नाम है, अब्दुर रहीम खानखाना। ये बड़े उदार और अनुभवी थे। हिन्दी में इन्होंने बहुत ही सुन्दर दोहे लिखे हैं।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥ 1 ॥

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देइ उड़ाय ॥ 2 ॥

माखी गुड़ में गड़ी रहे, पंख रह्यो लिपटाई।
हाथ मले और सिर धुनें, लालच बुरी बलाइ ॥ 3 ॥

– **कबीर**

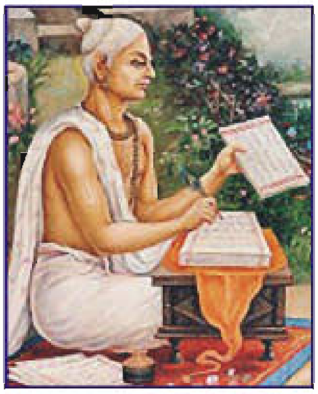

तुलसी इस संसार में, भाँति-भाँति के लोग।
सबसे हिल-मिल चालिए, नदी-नाव संजोग ॥ 4 ॥

तुलसी हाय गरीब की, कबहूँ न खाली जाय।
मुए ढोर के चाम से, लोहा भस्म हो जाय ॥ 5 ॥

– **तुलसीदास**

रहीम धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ पड़ जाय॥ 6॥

तरुवर फल नहि खात हैं, सरवर पियहिं न पानि।
कहि 'रहीम' परकाज हित, संपत्ति संचहि सुजानि॥ 7॥

रहिमन देखी बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि॥ 8॥

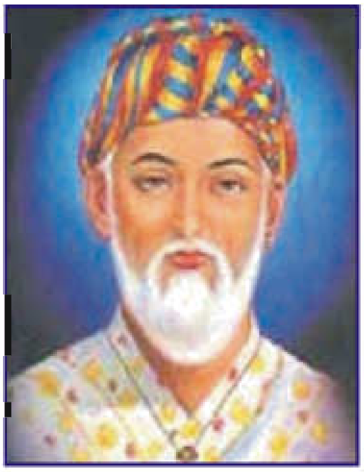

– रहीम

शब्दार्थ

पंथी मुसाफिर, यात्री, राही **सूप** अनाज फटकने का छाज **सार** निष्कर्ष, सारांश **थोथा** निकम्मा, कचरा **बलाई** आपत्ति, आफत, विपत्ति **भाँति-भाँति** तरह-तरह, भिन्न-भिन्न **हाय** बद्दुआ **भस्म** राख **चटकाय** शीघ्र, तुरंत, फौरन **तरुवर** पेड़ **सरवर** सरोवर (गुज) **संचहि** संग्रह करना **सुजानि** चतुर **बड़ेन** बड़ा **तलवारि** तलवार

मुहावरे

- **हिल-मिल चलना** – सहयोग करना **लोहा भस्म हो जाना** – कठिन चीज का भी नाश होना

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) बड़े लोगों की संकुचित मनोस्थिति व्यक्त करने के लिए खजूर के पेड़ का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(2) साधु पुरुष कैसा होना चाहिए ? क्यों ?

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

(4) आप गरीब लोगों की मदद कैसे कर सकते हैं ?

(5) सज्जन लोग अपनी संपत्ति का उपयोग कैसे करते हैं ?

2. नीचे दिए गए शब्दों के सही जोड़े मिलाइए और उदाहरण के अनुसार उन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

आदर, स्वकाज, बुरा, परकाज, प्रेम, नजदीक, नफ़रत, मृत, अच्छा, धनी, अनादर, गरीब, जीवित, छोटा, दूर, बड़ा, असत्य, सत्य

वाक्य प्रयोग : (1) सत्य – गांधीजी सत्य बोलते थे। (2) असत्य – हमें असत्य नहीं बोलना चाहिए।

3. अंदाज अपना-अपना

कभी-कभी कुछ इलाकों में बारिश बिलकुल भी नहीं होती। नदी-नाले, तालाब सूख जाते हैं। फसलों के लिए पानी नहीं मिलता। खेत सूख जाते हैं। पशु-पक्षी, जानवर और लोग भूखों मरने लगते हैं। ऐसे समय में वहाँ रहनेवाले लोगों को मदद की जरूरत होती है। तुम भी लोगों को मदद कर सकते हो। सोचकर बताओ तुम अकाल में परेशान लोगों की मदद कैसे करोगे?

4. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(1) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय॥

(2) तुलसी हाय गरीब की, कबहूँ न खाली जाय।
मुए ढोर के चाम से, लोहा भस्म हो जाय॥

(3) रहिमन देखी बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आये सूई, कहा करे तलवारि॥

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) साधु कैसा होना चाहिए ?

(2) कबीर जी लालच को क्यों बुरी चीज कहते हैं ?

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

(4) 'गरीब की हाय' के लिए कौन-सा उदाहरण दिया गया है ?

(5) रहीम प्रेम का धागा तोड़ने के लिए क्यों मना करते हैं ?

भाषा सज्जता

नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए :

(1) वह कौन जा रहा है ?

(2) पहला ईनाम किसे मिला ?

(3) आप क्या लाए हैं ?

(4) किसने कहा आज छुट्टी है ?

उपर्युक्त वाक्यों में 'कौन', 'किसे', 'क्या', 'किसने' जैसे शब्दों से प्रश्न पूछे गए हैं।

परिभाषा : संज्ञा के विषय में जिन शब्दों से प्रश्न किया जाए वे '**प्रश्नवाचक सर्वनाम**' कहलाते हैं।
जैसे : कौन, किस, क्या, किसने.....

नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए :

(1) जैसा करोगे वैसा भरोगे।

(2) जो मन लगाकर पढ़ेगा, वह अवश्य उत्तीर्ण होगा।

(3) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

उपर्युक्त वाक्यों में जैसा-वैसा, जो-वह, जिसकी-उसकी परस्पर संबंधित शब्द हैं।

परिभाषा : वाक्य में संबंध बतानेवाले सर्वनाम को '**संबंधवाचक सर्वनाम**' कहते हैं।

जैसे : जैसा-वैसा, जो-वह, जिसकी-उसकी.....

1. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों को 'प्रश्नवाचक' और 'संबंधवाचक' सर्वनाम में वर्गीकृत कीजिए :

(1) वह कौन आ रहा है ?

(2) जैसी करनी वैसी भरनी।

(3) जो चलता रहेगा, वह मंज़िल तक पहुँचेगा।

(4) आज का ईनाम किसे मिलेगा ?

(5) जिसकी मेहनत उसकी सफलता।

(6) आप क्या ढूँढ़ रहे हैं ?

(7) किसने कहा आज मेहमान आएँगे ?

प्रश्नवाचक: ____________________

संबंधवाचक: ____________________

*